

५४ मूलस्थानार्थनो मुखका ली पूजा
नित्यकर्म पूजाविधि

आशा सरस्वती
ASHA ARCHIVES

3084

[illegible][illegible]

कायः दं नो यद्येव लिङ्गं गृह्णार स्वाहा ॥ सदा केन्य ॥ तिः
मूजया निमृदाद गर्भयत् ॥ धत्तं गृह्णार मधुलपुत्राः ॥ तिः ॥ य
नञ्जया लवडावति सि ॥ ग्र्याज लिताय ॥ नुं ज्ञायज्जो
य धायज्जो ध्वज धायज तपे दूँ रु सर्वतः सर्वसर्वे दूँ हँ सः रड
रपदुः ॥ श्रीपादकी पृष्ठया मिः ॥ वलि विय ॥ वलि गृह्णार

स्वाहा ॥ नुं वडाकुडिनी दूँ जे ला कवर्षणीजी कामाङ्गडा
वगाङ्गा मीमाला कतरकाजी नुं सौं सः ॥ श्रीपादकी पृष्ठया मिः
वलि विय ॥ नुं दं वलि गृह्णार स्वाहा ॥ नुं नभारगवति दूँ
कुक्कि कायिजी दूँ धानञ्ज धानञ्ज धानाम् खिक्की किक्की
नि रविषु श्रीपादकी पृष्ठयामि ॥ वलि विय ॥ वलि गृह्णार स्वाहा ॥

संवेचयूं ज्ञानन्य भक्ति रोजवानन्य विनाधियय
यूं श्री गामला विद्यानाड ग्यनी जफा विं भक्ति कुम भिव
भक्ति रदान क रं द ने व द्य व लि ग द्वा ग द्वा
श्री साहा ॥ गि गू न मू डा या नि मू डा द भय ॥ ज्वा
वर्ज व ति सि प् ज ॥ ज्वा ज्वा न द्वा ध धन द्वा धान धा
रत न द्वा द्वा सर्व ॥ सर्व सर्व द्वा र स ॥ द्वा र द्वा र प द्वा ॥

श्री पाइ कां पु ड या मि न मः ॥ ज्वा ध व लि वि य ॥ रं
द ने व द्य व लि ग द्वा र साहा ॥ ज्वा ध गु या धु लि ॥ न
व द्वा र द्वा नि द्वा गे ला का क र्ष णी द्वा का म द्वा द्वा नि
द्वा म म द्वा र का री नी न म स ॥ श्री पाइ की पु ड या
मि ॥ धे ज्वा व लि वि य ॥ रं द व लि ग द्वा र साहा ॥ ज्वा
गु या धु लि ॥ न न मा र ग व ति द्वा क द्वा का यि द्वा द्वा

कृष्ण नमः जथा नाम रिव कौं कौ कि निर वि च गी पाइ
 कां जया मि ॥ जथ व लि विय ॥ ॐ वलि गृह्ण र स्वा हा ॥ जथ
 या श्रुति ॥ नमः कृद्वि का ये स्तौं मुं मुं ६ ज न म धा न
 जथा न जथा नाम रिव कौं कौ कि नि वि च गी पाइ कां पृजया
 मि ॥ जथ व लि विय ॥ ॐ द व लि गृह्ण र स्वा हा ॥ जथ
 या श्रुति ॥ नमः त ग व ति सिद्ध कौं कौ कृद्वि कस्तौं कौ

मुं खल नै धा न जथा नाम रिव कौं कौ कि निर वि च गी पाइ
 कां पृजया मि ॥ जथ व लि विय ॥ ॐ द व लि गृह्ण र स्वा हा ॥ ॐ
 क म पृजा वि वि ॥ गी ३ कृद्वि का पृजा ॥ जथ ज्ञा सन पृजा ॥ नै य
 प्र ता सन पा प ॥ नै वृ खा सन पा प ॥ नै सि हा सन पा प ॥ ॐ ति
 जा सन पृजा वि वि ॥ जथ द व या क गुं यी ड लि गय ॥ नै किं
 नै मुं मुं हं स कं मं ल वं नै यै ज्ञा न न ग कि हं न वान न वी

ॐ नमो ३

लितयानिमाहगवति ॐ कृद्विकार्येडां दीं धानज
धानजधानामुखिं कौं किनिरविं ध्यायाप॥क
लिविय॥ ॐ देवलिगुद्ररखाहा॥ अथ ध्यायापुन
य॥ नमोमाहगवति ॐ कृद्विकार्येडां दीं धानज
धानजधानामुखिं कौं किनिरविं ध्यायाप॥क
लिविय॥ ॐ देवलिगुद्ररखाहा॥ ॐ

नमो ३

धनयातिमुद्राकन॥ नमो नयाय॥ नमः श्री
नाथाय॥ नमः श्रीसिद्धिनाथाय॥ नमः श्री
कृष्णनाथाय॥ क्राटिकासतिय॥ दूयाइका
पूजयामि॥ धनमूलसुनार्च॥ ॐ ति॥ ॥ ॥
धनगुप्तकालियूजायाय॥ ॐ सकार्यिगतिम

छासनायनमः॥ॐ ह्रस्ववासनायनमः॥ॐ नि
वासनायनमः॥ धनं आसनपूजा॥ ॥ कः स्वा
नः धनः कायावः गुण्यांजलिगय ॥ॐॐ सिद्धि क
नालिं दीं दीं श्रीं नमः स्वाहा हा गुर्गे कालि
का देवी श्री याइ कां पूज्यामि ॥ॐ द वलिविय ॥

ॐ द ने वद्री वलिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ यानि सदा
केने ॥ धनं गुर्गे कालिपूजा ॥ ॥ धनसिद्धि ल
क्ष्मीपूजायाय ॥ आसीं गय धन ॥ द्रु पुण सनाय
नमः ॥ॐ नि आसीं पूजा ॥ ॥ धनः स्वानः जा के
कायाव देवी यात ग्राह्य लिनय ॥ ३ ॥ॐ दीं दीं
श्रीं महर्दासनाय वाइ कां पूज्यामि ॥ २

हौं हूं हौं कौं नमः श्री सिद्धि लक्ष्मी देवी श्री वाइ
कां पूजयामि ॥ वलिविय ॥ ॐ दं नै वं डी वलि गृह
क २ स्वाहा ॥ धन श्री निमृडा कन ॥ ॐ नि सिद्धि ल
क्ष्मी पूजा धन ॥ ॥ धन महाराष्ट्र पुन सुन्द निपू
जायाय ॥ असन नय धन ॥ नै यश्च पुन नमः

नाय नमः पाइ कां पूजयामि ॥ धनः स्वानः डा क
काया व देवी यात ग्रा ॐ लिगय ॥ ३ ॥ नै वं कौ मो ॐ कौ वू
मू वृक्ष चक्र डा आनवी १० चर्या नन्द नाथ मि
ॐ केशी महाराष्ट्र पुन सुन्दरी देवी परं वृक्षात्मिका कि
श्री पाइ कां पूजयामि ॥ धन वलिविय ॥ ॐ दं नै वं डी व

लिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ आनिमृदा केन धन ॥ ॥ गद्य
नमाय ॥ ॐ ति प्रिय सुन्दरी पूजा धन ॥ ॥ धन
ने वयस्काय मान ॥ धन न न न नमाय ॥ ॥ धन वलि
मय मान ॥ नं दं दू दू दू दू दू पा लाय वलिं गृह्ण
स्वाहा ॥ नं श्रीं श्री कुलपुत्र वद कना धाय वलिं गृ

ह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ नं गं गं गं गं गं ॥ गं श्री कुल ग (दाः
धनमाय वलिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ नं यो सर्व यो गिनी
श्री वलिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ नं दू श्री सिद्धि चामुद्रा
य वलिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ नं दू महा काल वलिं गृ
ह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ नं दू महा कनवी ग्म ग्म न वलिं गृह्ण
गृह्ण स्वाहा ॥ नं सर्व सादवै शा वलिं गृह्ण गृह्ण स्वा

हा ॥ ॥ वलिसहायकावनेः श्रद्धयागमश्च हावः
नय ॥ नैसम्मसुमनुवी ० सिंहासनवी ० वी ॥ भयपी
० दूपापदगुप्तदाहा यसं दारुदिव्यसिद्धिसमयव
कपाइकीपूज्यामिवलिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ नैउका
नृकं यत्किञ्चिन् सर्वं नैदद्याय नमः ॥ याइकीपूज

यामिवलिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ ध्वगवलिविय ॥ ॥
मूलमनुनधूय दीयने वद्रागय धन ॥ ॥ धननं ध
नयाय ॥ नै नमः श्रीनाथाय ॥ नै नमः श्रीसिद्धिना
थाय ॥ नै नमः श्रीकुंडलनाथाय ॥ नै नमः याइकी
पूज्यामि ॥ ध्वगनध्वनविधि ॥ ॥ धन जयया

ॐ ॥ ह्रीं १० ॥ श्रीं १० ॥ (ह्रीं १० ॥) केका याव अर्धो
सधुहावदवी या के गय ॥ नै नै दे जय गृहान स्वाहा
॥ भूल जय या य धन ॥ भौ भौ १२ ॥ नै नै दे जय
गृहाहा स्वाहा ॥ धन ॥ सुलया ॥ ॥
धन गुके कालिया य ॥ जय या य ॥ ॥

ॐ ॐ सिद्धि कनालि डी कुं मंत्री कुं नमः स्वाहा १०
॥ नै नै दे जय गृहान स्वाहा या इकी पूज या मि ॥
धन गुके कालिया या ॥ ॥ धन सिद्धि लक्ष्मी या
जय या य ॥ ॐ डी कुं ह्रीं कुं ह्रीं कुं नमः १० ॥ ॥
अर्धो सधुहावदवी या के गय ॥ नै नै दे जय गृ

हाहा स्वाहा पाइकी पूजयामि ॥ धनसि द्विलक्ष्मी-
पारुषा ॥ ॥ धनप्रियुनसुन्दरी याजययाय ॥ नुं
। क्रीं सोः क्रीं क्रीं ॥ १० ॥ अर्धासध्दावजा के
पवीया ॥ ॥ नुं ॥ ॥ देवजयं गृहान
स्वाहा पाइकी पूजयामि ॥ धनप्रियुनः

सुन्दरी याजय ॥ ॥ ॥ देवकायावः अर्धासध्
दावपवीया लाहाति मजयसमर्थययायः म
नायिसनय ॥ नुं गुञ्जनिगुञ्ज (गमयिक्त्व गृहात्म
मात्कृर्गजयं । सिद्धिद्विगुभदेवित्वन्यसादात्म
॥ ॥ देवगी पाइकी पूजयामि ॥ धनजयविधि ॥ ॥

अर्धोवाहलंखमहलयाजवःकःस्वानगयावः॥
माय॥ ॥डेनमःकुडिकार्ये॥नेअखहमहलका
रःव्याक्येनचवाचनं॥गह्यदंदलिनियेनगह्मेशीगु
द्वेनमःपाडुकापूजयामि॥क्षयंशंवदुकगःगःगः
जीविघ्नहातकःसंयुजविधिवहक्रःनमामिचमिदे
वर्क॥यस्तुजसानिधिसहस्रसमानवर्चःसंनिवृत्त

कूलिगर्पकजचकुमः॥गुप्तानन्दहेरवनवात्म
ककुडिकेगःगह्मनमामुगुववसगर्गजिवाय॥या
काःहमागुगःखचगुयुगसहिगायकःकःकःवः॥
हुणीष्वषकाःहमस्तानन्दनलिगगार्चनिकोःहचगु
र्क॥याम्यववत्सभगानजनिचवगगायागुक्कावृ
गाभीसाक्षविज्ञानिरुदकुमकुलसहिगापागुदा

शिंशवर्द्ध॥ ॐ मा नका गि नशासनरवदामिना
मरुमागजगमीविन्वा फीवा न नगा पृथुगनजघना
मखलाननरुद। दवाऽजवमु साहवनवनकुसभ
वव्वनकं गराजः सामं ग्राह्मि काख्याविगनगुसग
गङ्गानदिबो धमाद्य॥ शासर्वकमशुलानकमयद
निदिगाननद शुकिः सुहीमाह वि न्यायचतुर्कल्वः

कुलकुलगर्गपशुकचान्यषट्काचत्वानः यशुकान्य
ऽयूननयिचतुर्कल्वगामकु लेदसिहृदयनेगसम
नमेगगु नूवनरत नवशी कुङ्कुण॥ अयनायसदमाः
द्विकियनैहनिर्ममया। दासाहमिनिर्मामत्वाकुमह
स्वपत्रमव्वनी। अस्मतिर्यकर्मपूजाविलेकगत्सु
व्यपलिपुर्द्धममु॥ ॥ देवयाकेः केगहावः नस्कालयाया

धनगर्धनयाय ॥ त्रिनमः शुभा ना धमय ॥ त्रिनमः शुभसि
द्विना धमय ॥ त्रिनमः शुभा कुंज ना धमय ॥ नय ॥ त्रिनमः
शुभा पाइका पूजयामि ॥ ॥ देवीयाग आगा द्यो दन य
त्रिनु काने करवा गिमूर्ति कपत्रा पू (धुं श्वरी वामवें
सुगं श्री गंगा (धमय माह गवति ने (ध श्वरी दक्षि (दाह्य
ना गम्य कुलं श्वरी कुलग (ध वायू द्यदि ग्मयिका ॥

श्रीवामायुन मामि वि श्वजन नीद (ध श्वरी सिद्धि दी ॥
॥ ॥ धवभालसः चोदः स्वानः को का यावः कुयः शक्का
याक न उदा वः वलिस गय ॥ ॥ धन अर्द्धा यो लं खन हा
यः अर्द्धया गुया लं खन हाय ॥ चन न नयः सिद्ध न हाग
य ॥ ॥ देव या क चो द स्वानः म ह्यु न स चो द स्वानः धवः
हिन स चो द स्वानः स गु नि स्वान नाप क्का हा व क्षी दा

ASHA ARCHIVES





जय नमः ॥ स्वान काया वक्ष्य ॥ मनु धा ॥ नं अम्भ पूर्व गग
पदं रग वगि वै गन्ध नू या लो को झु नं चो वक्षु लाग था रु नि
रु नी वु क्षा म नी चि न् गु र् य ॥ रा स व र् के न व य ष्ठ कं ग नू ग गी
गी या गि नी य ष्ठ कं च न्द्रा को ग्नि म नी चि त्व द्ध म म ली मी
वा तु नि र्ध क्ता ॥ ॥ धन न्मा स नाम ॥ नं द्रैः ॥ अ म्ना य
रु द्ध पा इ का पू ज या मि ॥ ला हा थ य ॥ ॥ नं द्रौ अ नु ध

र्या नमः ॥ पा इ का पू ज या मि ॥ द्वा ला ॥ नं द्रौ ग र्ज नी र्या
स्वा हा पा इ का पू ज या मि ॥ वा ना स ॥ नं द्रैः म त्पे मा र्या व
ष ष्ठ पा इ का पू ज या मि ॥ द थू ला स ॥ नं द्रैः अ ना मि का र्या
द्रौ पा इ का पू ज या मि ॥ अ नु ना स ॥ नं द्रौ कि नि द्वा र्या वी
ष ष्ठ पा इ का पू ज या मि ॥ च ना चा स ॥ नं द्रैः क न ग न ष्ठ
र्या अ म्ना य रु द्ध पा इ का पू ज या मि ॥ ला हा थ य वि

कायियाय ॥ ध्वग कर्ता गन्नास ॥ ॥ अंग नाम धन ॥
नंदं द्रुं दयाय नमः पाइका पूजयामि ॥ नृग नमः ॥ नंदं द्रुं
भिन सं स्याहा पाइका पूजयामि ॥ भिन नमः ॥ नंदं द्रुं भिन वाय
वव द्रु पाइका पूजयामि ॥ भिन नमः ॥ नंदं द्रुं कव वाय द्रु
पाइका पूजयामि ॥ नंदं द्रुं मिवा धि यान धिय ॥ नंदं द्रुं
नं नृग याय वाय द्रु पाइका पूजयामि ॥ भिन नमः ॥ नंदं द्रुं

अमुय रू द्रु पाइका पूजयामि ॥ लाहाग सदाय स्वगाल ॥
ध्वग नमः ॥ ॥ धव क यियावः अर्धवाग स धुवावः जाकेन
धुवावः वलिस गय ३ ॥ ॥ नंदं कि मि श वि द्रु का द्रु द्रु य
द्रुः अमुय रू द्रु ॥ ॥ लादाय ३ ल धु मि के ने ३ सहान
शदा धव लि ध्व य विसर्जन याय ॥ नंदं द्रुं ॥ अमुय रू द्रु ॥ व

वलिहृत्स्वच्छपुत्रगया ॥ नोमिय ॥ नैर्जं आत्मन त्वाय स्वा
हा ॥ नैर्जं विद्वाग त्वाय स्वाहा ॥ नैर्जं शिवन त्वाय स्वाहा ॥
नैर्जं सत्तमकुल (धेलावसूयसादि धाय ॥ नैर्जं नरनन्दनो क
लमार्कमुमहोरेनवाययुका गगनकि सदिगय कुनक
ममिह ॥ सादि (ॐ) दं मर्ध स्वाहा ॥ कनन सूर्ययाग

॥ नैर्जं अर्चिर्गसर्वका यो दी ॥ कलमार्कमुमहोरेनव ॥ नोमिय
का गगनकि शुभुकि मुकि रु लपुदं श्रीसूर्याय पूष्ये नम
॥ देवयाचननोदककाय ॥ शिवसः नृगयसः कयानसः
यनु कुडा वगय ॥ ॥ देवादिइक जाय ॥ ॐ मि नित्या
चम विधिसमाय ॥ ॥ गुरुममु ॥

ॐ श्री गुरु नमः ॥ मातृ कृपाया च काव ॥ नासिय ॥
ॐ क्रीं आत्मनः स्वाहा ॥ ॐ क्रीं विद्यातः स्वाहा ॥ ॐ
क्रीं जिवन्तः स्वाहा ॥ धन नासिय ॥ धन न्यासपात्र ॥ ॐ
क्रीं अमुं गुरु ॥ यात्रादाय धन ॥ ॐ क्रीं अमुं गुरु ॥
मः ॥ ॐ क्रीं नृणां स्वाहा ॥ ॐ क्रीं मन्त्राणां स्वाहा ॥ ॐ

क्रीं अनामिकायां ॥ ॐ क्रीं कनिष्ठायां ॥ ॐ क्रीं
ः करतलपट्टायां अमुं गुरु ॥ यात्रादाय धन ॥
या ॥ धन कराङ्ग न्यास ॥ ॥ धन अङ्ग न्यासपात्र ॥ ॐ क्रीं
दद्याय नमः ॥ नृणां स्वाहा ॥ ॐ क्रीं शिरसे स्वाहा ॥ भा
न स्वाहा ॥ ॐ क्रीं शिरसाय स्वाहा ॥ मिखा नमः स्वाहा ॥ ॐ
क्रीं कवचाय ॥ वाक्षान् न्यास ॥ धन न्यासपात्र ॥ ॐ क्रीं

नगुगयायवोषट् ॥ क्लाससधियस्रयविन ॥ ॐ द्रुं ० ॐ
मुायरुट् ॥ गहानसस्वगात्रदाय ॥ धनं अद्रुन्यास ॥ ॥
धनं अर्घ्यागपूजा ॥ ॐ द्रुं हृदयाय नमः ॥ ॐ द्रुं शि
वमस्वाहा ॥ ॐ द्रुं शिखायै वषट् ॥ ॐ द्रुं कवचं द्रुं
॥ ॐ द्रुं नगुगयायवोषट् ॥ ॐ द्रुं ० ॐ मुायरुट् ॥

चतः स्नानः जाकेः अर्घ्यागपूजा ॥ ॐ चन्दनाद्रु
गपूष्ये नमः ॥ धनं वेनुमद्राके न ॥ ॥ धनं आत्म
पूजा ॥ ॐ आत्मने चन्दनं नमः ॥ ॐ आत्मनपूष्य
नमः ॥ धनं आत्मपूजा ॥ ॥ धनं सूर्यपूजा ॥ ॐ
द्रुं द्रुं सः श्रीसूर्याय नमः ॥ धनं अरुलि ३ ॥ ॐ खः

खोलाय डी गङ्गा दविग कि सहि गाय नमः ॥ श्री सूर्या
यवलिं गृह्ण गृह्ण स्वाहा ॥ ॥ गायत्री न पूजा ॥ ॐ उग्र
गङ्गाय विद्मह महता ता त्व नाय धीमहि । गन्ना रानूः प्र
चादया ॥ ॥ उग्र १० ॥ ॐ दौं डी सः ॥ ॐ निसूर्य पूजा ॥ ॥
हता ॥ श्री विष्णु पूजा ॥ ॐ दौं सः ॥ मानाया मय विष्णु त्मने

य ३
दिं स्वाहा ॥ ॥ गुर्यां डलि स्व धालयय ॥ लक्ष्मी द विभक्ती
सहिताय नमः ॥ वलि वि ॥ नानाया मय वलिं गृह्ण २ स्वाहा
माय प्रि ॥ ॐ नानाया मय विष्णु मह लक्ष्मी सहिता धीमहि त
ना विष्णु ४ य चादया ॥ ॥ उग्र १० ॥ ॐ दौं सः ॥ ॐ निसूर्य पूजा ॥
प्रथम कुलि मय न पूजा ॥ ॐ उग्र धा न दौं थ धा न दौं धा न धा नः

य^२
नमः कुं दुं सर्व ॥ सर्व कुं शस ॥ कुं रुद्र पदं ॥ निरवाना धम हा रः
नवा सदा नि वाय नमः ॥ य यां ड लि ३ यय ॥ ॐ ऊ धा ना श्वमी गः
किं स हि गा य नमः ॥ व लि वि य ॥ ॐ ऊ धा ना य व लि ग ड ३ स्वाहा ॥
माय गि ॥ ॐ निरवाना ॥ थय वि द्वा ह स्व कुं ना य मि स हि ता न र्द्र ३
प्र वा द या ७ ॥ ॥ ज य ॥ ॐ ऊं ॥ ॥ धन म कु ल यय क
क स्वां य ॥ ॥ ग्री सु र्या य नमः ॥ उ वा क सु म र्म का र्ण का ग्य प र्म मः
न

ना ३
वा
हा द्य ति ता मा नि स र्व या य द्य पु व मा मि दि क र्ण ॥ य स ह सु ग दा च
कुं ग र् ७ य स्य वा ह न ॥ स म क र् ७ क ल्या र्ण प द्म ना ता ज ना द न
नमः ॥ नि वा य ग्म ना य का न न ग य द ता वा नि व द या च्छा त्मा नी ल
ग ति प र म ग्य न ॥ ॥ म कु ल स या द त्मा न का या व क्य ॥ ॥ ध
न न्या स लि का य ॥ ॐ ऊं ॥ र सा य रु ॥ ॐ ऊं ॥ र सा य रु ॥ ॐ ऊं ॥ र सा य रु ॥
ॐ ऊं ॥ र सा य रु ॥ ॐ ऊं ॥ र सा य रु ॥ ॐ ऊं ॥ र सा य रु ॥ ॐ ऊं ॥ र सा य रु ॥

ॐ ॥ ॐ कौं निष्ठायां कोष ॥ ॐ कः क नगल प सायां असां रु
ॐ नि कलंग न्यासा ॥ ॐ कौं दे दयाय नमः ॥ ॐ कौं मिले सखा हा
॥ ॐ कौं गिरवाये वषट् ॥ ॐ कौं कव वाय दू ॥ ॐ कौं न
प्रयाय वीषट् ॥ ॐ कः अमु यरु ॥ ॐ नि न्यासा
थन नासिय ॥ ॐ कौं आत्मन स्वाय स्वाहा ॥ ॐ कौं विद्या

न स्वाय स्वाहा ॥ ॐ कौं गिवन स्वाय स्वाहा ॥ वान कौं
य ॥ ॐ नि लिं गम च न वि वि समाफ ॥ ॥

ॐ श्री गुरु वनमः ॥ धन नि न्या च नयाय ॥ नासिय धन ॥ नैं कौं
आत्मन स्वाय स्वाहा ॥ नैं कौं विद्या न स्वाय स्वाहा ॥ नैं कौं गिवन
सुयो र्धयाय ॥ ॥ नैं कौं कूल मार्तु महा ते न वाय प्रका

म म किस हि ता य दू द म द्य स्वा हा ॥ क त न ॥ ज्जि तं सर्व का
 द्यो दो क ल मा रु रु ते ज वी ॥ नो ॥ य का म ग कि ॥ अ उं म् कि रु ल
 पु द ॥ ॥ ज्जि ल र व ध न ॥ म उ ल व र्य य ॥ क स न त ॥ म उ स पू ड ॥
 न ज्जि र व मु मु ल का न द्या र्क य न च ना व न ॥ ग ह्य दं द नितं
 य न त मी ग्रा व न म ॥ पा इ की पू ड या मि ॥ व स ज्जि स न त ॥ न प द्या
 स न पा इ की पू ड या मि ॥ अ द्या ग द न य ॥ न प ग्रा स न पा इ की पू ड
 उ २ २

या मि ॥ ध म त ज्जि न त य ॥ न क म्पा स न पा इ की ड ड य मि ॥ ज्जि
 र व के का या व ॥ ड व म र व व क हा ले ॥ वि द्य पि त वू य ॥ न कि नि र वि
 ड का म ग य ड ज्जि स्या य रु ड ॥ व ड म द्क र म् ॥ म् ड ण थ व
 र व ल म रि का न वा य ॥ ध म र ड ॥ ध क त हा ये न ॥ न क्क रू व ड
 प ड्क ल स्वा हा ॥ ॥ द ग द न र न न ॥ न व ॥ ड ड मि र वा ॥ ल
 र व ड मि वा ॥ म ॥ ड ड क्रा स ॥ क ॥ र व ड क्रा स ॥ ले ॥ ड्क गु स ॥ क ॥ ड ड

क्रसकनसाल॥खडाक्रसकनस॥म॥हृदयस॥व॥नरिस॥
निगस॥जां जां क्रूरुखादि॥॥थनन्यासयाप॥
खवक्रकसजाय॥नें गुं गुत्रवेनमः पाइका पूजयामि॥
जवक्रकसजाय॥नें गं ग॥द्यमयनमः पाइका पूजया
मि॥दधसजाय॥नें जां श्रीं कुं श्रीं रुसदमनवलरूँ॥

गुं श्रीं कुं कश्चनकुं कश्चनीं रुं दवगायनमः
पुं पाइका कां पूजयामिनमः॥थनः रुं दवगायनमः
नविधि॥॥थनयाधमयाय॥
गान॥नें क्रुः जमुयरु॥गानयः दिग्बन्धनयाय॥
जवक्रासगयावः खवनसाविं॥नें ११॥नयाक्रासं न
यावमय॥नें १५॥खवक्रासगयावः जवनसावि

॥ नै ३२ ॥ गानगावक्कजींग नमः सयाय ॥ ॥ वै
नकायावनादाधसवूय ॥ नै दुः अमुयगुरु पाइका
पूजयामि ॥ कनः अथनी ॥ नै दुः अमुयगुरु पाइका
का पूजयामि ॥ कानास ॥ नै दुः नीलीस्वादा पाइका
पूजयामि ॥ चानास ॥ नै दुः मः माया वषट् पाइ
का पूजयामि ॥ दधुनास ॥ नै दुः अनामिकाया

दुः पाइका पूजयामि ॥ अमुनास ॥ नै दुः कनिष्ठाया
वोषट् पाइका पूजयामि ॥ जनास ॥ नै दुः कनकन
पुष्पाया अमुयगुरु पाइका पूजयामि ॥ नादाक
धयिको दियायनयी ॥ धनक ना अनास ॥ ॥ धन
अनास ॥ नै दुः दयायनमः पाइका पूजयामि ॥
नै दुः निरमः स्वादा पाइका पूजयामि ॥ निरमः शिथ ॥

नैं दूँ जिखाये वषट् पाइ कां पूजयामि ॥ नैं दूँ कव
चाये दू पाइ कां पूजयामि ॥ नैं दूँ नेण गुयाय वी वषट्
पाइ कां पूजयामि ॥ नैं दूँ ॐ अम्मा परुरु पाइ कां पूज
यामि ॥ नैं दूँ गिअङ्गनामविधि ॥ ॥ धन अद्दा पूजाया
य ॥ नैं दूँ सकुमल वल्लयुं कल पाण पाइ कां पूजयामि ॥
नैं दूँ ददयाय पाइ कां पूजयामि ॥ नैं दूँ गिनम
नमः १

स्नाहा पाइ कां पूजयामि ॥ नैं दूँ जिखाये वषट् पाइ कां
पूजयामि ॥ नैं दूँ कवा चाये दू पाइ कां पूजयामि ॥ नैं
दूँ नेण गुयाय वी वषट् पाइ कां पूजयामि ॥ नैं दूँ ॐ अम्मा य
रुरु पाइ कां पूजयामि ॥ नैं चन्द नाक्षत्र पूर्य नमः पाइ कां
पूजयामि ॥ ॥ धन (धन) मूडा केने ॥ ॥ धन लखन रु

पर अर्घ्यो माया इलख नहाय ॥ सकर्मा हर्यमात्र ॥ नैं क
दुकाये विद्मरु कुलदी पाये धीमहि । ननो ४ कुडियुथाद
या ७ ॥ ॐ मि अर्घ्यो धामयन विधि ॥ ॥ धन अर्घ्यो पात्र पूजा
पात्र ॥ धन अर्घ्यो पात्र सगि को नयाय ॥ गिदुगम दध ॥ ॥
नैं जाँ जाँ दूँ दः यमु न २ धान २ गन नन २ रुप च ६ २ प
च ६ २ क रु २ व म २ ध म २ धा ६ य २ वि दधान य २ वि दिधि

रदू दू दू दू रु दू का श्री महा को मानी का वि द्यु पाइ का
पूज या मि ॥ पूजा या या नैं मी ॥ अर्घ्य पात्र पाइ का पूज या
म ॥ नैं सा दू दया यन मः ॥ पाइ का पूज या मि ॥ नैं सी
जि न स सा हा पाइ का पू ज या मि ॥ नैं सैं जि खा ये व
म ६ पाइ का पूज या मि ॥ नैं सैं क व चा य दू पाइ का
पूज या मि ॥ नैं सी न ग ग या य वो ष ६ पाइ का पूज या

मे॥ नै सं ० अमुय रूपा इका पूजयामि॥ अतः स्थान
भाकेः अर्घ्यपात्रमनय॥ नै चन्दनाक्षरपुष्पं नमः ० या
कां पूजयामि॥ धनया निम्बदा के नै॥ ॥ ॥ ॥ अर्घ्य
पात्रपूजाविधि॥ ॥ ककुयम्बदा दः आर्षलसः
वा दकुलनी धनयनेः अर्घ्यपात्रस्योदस्थानका
यावः लाहानसः तमावः धनयनेः कोनरुयावः ननुः

कावः वानकाय॥ नै गुदस॥ द्वा गदस॥ श्री नृगत्र
स॥ द्वा कथस॥ द्वा कपात्रस॥ ललाट्याः च दुमाया
मृ ५ तहास्यववः य अरुनसि अत्रयावकुलनी
कोनरुयाव आभनसं नय॥ द्वा कथस॥ द्वा नृगत्रस॥
श्री गथस॥ द्वा गुदस॥ नै आभनस॥ ॥ अर्घ्यपात्र
यालखनं धनमहाय॥ धनरुन बुद्धि॥ ॥ धनशः

मयूखा ॥ नुं च न न पाइ कां पूजयामि ॥ दुं अरु न पाइ
कां पूजयामि ॥ श्री सिन्दूर पाइ कां पूजयामि ॥ दुं माहि ॥
री पाइ कां पूजयामि ॥ दुं वृष पाइ कां पूजयामि ॥
व न च न न विधि ॥ ॥ धन न च न याय ॥ नुं स्वाहा श्री य
म गुत्पाइ कां न र्थयामि नमः ॥ नुं स्वाहा श्री यत्राय नः
गुत्पाइ कां न र्थयामि नमः ॥ नुं स्वाहा श्री यत्रम वि गु

पा १
गुत्पाइ कां न र्थयामि नमः ॥ क र स ग य ॥ नुं दुं पाइ कां पू
जयामि नमः ॥ धन न च न विधि ॥ ॥ धन न च न नम द वी
म न या हा व ध व मा न स ग्रा ङ्ग लि न य ॥ नुं दुं श्री दुं दुं
शान न द भ कि र न वान न द वी रा वि य न य म ॥ श्री म
हा वि द्या ना ड श्व री श्री पाइ कां पूजयामि नमः
॥ ३ ॥ ॥ धन न च व लि वि य ॥ नुं श्री दुं क

[illegible]

सु. यानि. का. द्या. ग. उ. मू. द. द. श. य. ७. ॥ ग. य. न. ॥
 य. य. ॥ न. न. म. ॥ श्री. ना. ध. य. ॥ न. न. म. ॥ श्री. सि. दि. ना. ध. य.
 न. न. म. ॥ श्री. क. उ. म. ना. ध. य. ॥ न. न. म. ॥ श्री. क. उ. म. ना. ध. य. ॥
 ॥ ध. म. व. क. व. लि. ति. वि. ॥ ॥ आ. वा. रु. न. या. य. स्वा.
 ॥ आ. वा. रु. न. या. य. स्वा. ॥ ॥ आ. वा. रु. न. या. य. स्वा. ॥
 ॥ आ. वा. रु. न. या. य. स्वा. ॥ ॥ आ. वा. रु. न. या. य. स्वा. ॥
 ॥ आ. वा. रु. न. या. य. स्वा. ॥ ॥ आ. वा. रु. न. या. य. स्वा. ॥

